ORAL ANSWERS TO STARRED QUESTIONS AND SUPPLEMENTARY QUESTIONS AND ANSWERS THEREON

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE
DEPARTMENT OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

RAJYA SABHA
STARRED QUESTION NO. 181
TO BE ANSWERED ON 18.03.2025

CANCER CARE ACCESSIBILITY IN RURAL AREAS

***181. SHRI SANJEEV ARORA:**

Will the Minister of **HEALTH AND FAMILY WELFARE** be pleased to state:

(a) the number of cancer care centres, chemotherapy facilities and palliative care services available in rural areas of the country, State-wise;

(b) the percentage of rural cancer patients who have access to advanced treatments such as targeted therapies, immunotherapy, etc., compared to urban patients; and

(c) the plan of the Ministry to improve cancer care access in underserved rural areas?

ANSWER
THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY
OF HEALTH AND FAMILY WELFARE
(SHRI PRATAPRAO JADHAV)

(a) to (c): A statement is laid on the Table of the House

*****

STATEMENT REFERRED TO IN REPLY TO RAJYA SABHA STARRED QUESTION NO.181 FOR 18.03.2025

(a) Under National Programme for Prevention and Control of Non-Communicable Diseases (NP-NCD), 770 District NCD Clinics, 233 Cardiac Care Units, 372 District Day Care Centres, and 6,410 NCD clinics at Community Health Centres have been set up.

Moreover, 19 State Cancer Institutes (SCIs) and 20 Tertiary Cancer Care Centers (TCCCs) have been set up in different parts of the country to provide advanced cancer care. Also, cancer treatment facilities have been approved in all 22 new AIIMS with diagnostic, medical and surgical facilities. Moreover National Cancer Institute (NCI) at Jhajjar, Haryana with 1,460 patient care beds and the second campus of Chittranjan National Cancer Institute in Kolkata with 460 beds provides advanced diagnostic and treatment facilities.

Further there are 372 District Day Care Centres providing Chemotherapy across the country. Under the National Programme for Palliative Care (NPPC) services like Out Patient Department (OPD), In Patient Department (IPD), referral, home based palliative care are being provided at District level. The State wise details are at **Annexure.**

Under the Department of Atomic Energy, Tata Memorial Centre has two units/ hospitals in rural / semi-urban locations – the Homi Bhabha Cancer Hospital (HBCH) in Sangrur in Punjab and the Homi Bhabha Cancer Hospital in Muzzafarpur in Bihar.

(b) & (c) A population-based initiative for screening, management and prevention of Non Communicable Diseases, including cancer has been rolled out in the country as a part of a Comprehensive Primary Health Care under National Health Mission. Prevention and screening services are delivered through public health facilities by Accredited Social Health Activist (ASHA) & Auxiliary Nurse and Midwife (ANM) workers.

Teleconsultation facility is available for seeking expert opinion from District Hospitals and Tertiary care Hospitals for those patients who are suspected for any cancer related ailments after screening. Continuum of care is ensured through referral to Tertiary care facilities and Medical hospitals empaneled under Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana (PMJAY). In PM-JAY, cancer related treatment including breast, oral and cervical cancer is provided under more than 200 packages having more than 500 procedures of Medical Oncology, Surgical Oncology, Radiation Oncology and Palliative Medicine in the national Health Benefit Package (HBP) master. Among these, 37 packages are specifically related

to targeted therapies for cancer care, including chemotherapy (CT) for CA Breast, CT for Metastatic Melanoma, CT for Chronic Myeloid Leukaemia, CT for Burkitt's Lymphoma, CT for CA Lung, and others.

Under PMJAY more than 68 lakh cancer treatments worth over Rs 13,000 crore have been undertaken under the scheme. As per centrally available data, 75.81% of these treatments were availed by beneficiaries from rural areas.

With regard to targeted therapies for cancer care, more than 4.5 lakh treatments worth over ₹985 crore have been undertaken for targeted therapies of cancer care. Of these, 76.32% were availed by rural beneficiaries under PM-JAY.

One-time financial assistance upto ₹15 lakh is provided under the Health Minister's Cancer Patient Fund (HMCPF) for treatment of poor patients living below poverty lines and suffering from cancer. Besides, quality generic medicines including cancer drugs are made available at 50% to 80% cheaper rates than branded medicines through Janaushadhi Stores and through the 217 AMRIT Pharmacies, 289 Oncology drugs are given at a significant discount upto 50% of market rate.

Budget announcement of opening of 200 Day Care Cancer Centers (DCCCs) at District Hospitals in 2025-26 and saturation of remaining District Hospitals with DCCCs in the next three years has been made this year.

***

Annexure

S. No.	Name of State	TCCC & SCI	No. of Day Care Centre	No. of District Hospitals providing Palliative Care services
1	Andaman & Nicobar	-	-	-
2	Andhra Pradesh	1	9	9
3	Arunachal Pradesh	-	-	15
4	Assam	1	7	5
5	Bihar	1	-	6
6	Chandigarh	-	-	1
7	Chhattisgarh	1	23	16
8	Daman & Diu & DNH	-	3	3
9	Delhi	1	5	1
10	Goa	1	2	2
11	Gujarat	1	35	33
12	Haryana	1	5	22
13	Himachal Pradesh	2	11	12
14	Jammu & Kashmir	2	20	11
15	Jharkhand	1	-	18
16	Karnataka	2	-	31
17	Kerala	2	25	14
18	Ladakh	-	2	2
19	Lakshadweep	-	-	1
20	Madhya Pradesh	2	52	51
21	Maharashtra	3	12	34
22	Manipur	-	9	16
23	Meghalaya	-	2	11
24	Mizoram	1	2	9
25	Nagaland	1	-	4
26	Odisha	1	30	30
27	Puducherry	-	-	1
28	Punjab	2	1	8
29	Rajasthan	3	33	33
30	Sikkim	1	1	4
31	Tamil Nadu	1	38	38
32	Telangana	1	5	32
33	Tripura	1	-	8
34	Uttar Pradesh	1	4	13
35	Uttarakhand	1	10	13
36	West Bengal	3	26	27
	India	**39**	**372**	**534**

*****

भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

राज्य सभा

तारांकित प्रश्न संख्या 181*

दिनांक 18 मार्च, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

ग्रामीण क्षेत्रों में कैंसर-देखभाल की सुलभता

181* श्री संजीव अरोड़ा:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश के ग्रामीण क्षेत्रों में उपलब्ध कैंसर देखभाल केन्द्रों, कीमोथेरेपी सुविधाओं और प्रशामक देखभाल सेवाओं का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) शहरी क्षेत्रों के रोगियों की तुलना में, ग्रामीण क्षेत्र के उन कैंसर रोगियों की प्रतिशतता कितनी है जिनको लक्षित चिकित्सा एवं प्रतिरक्षा चिकित्सा आदि जैसे उन्नत उपचार उपलब्ध हैं; और

(ग) अल्पसेवित ग्रामीण क्षेत्रों में कैंसर संबंधी देखभाल सुविधाओं की उपलब्धता में सुधार लाने के लिए मंत्रालय की क्या योजना है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (ग): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

दिनांक 18 मार्च, 2025 को उत्तर के लिए राज्य सभा तारांकित प्रश्न संख्या 181 के उत्तर में संदर्भित विवरण

(क): राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग रोकथाम और नियंत्रण कार्यक्रम (एनपी-एनसीडी) के अंतर्गत 770 जिला एनसीडी क्लीनिक, 233 हृदय परिचर्या इकाइयों, 372 जिला डे केयर सेंटर और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर 6,410 एनसीडी क्लीनिक स्थापित किए गए हैं।

इसके अलावा, देश के विभिन्न भागों में 19 राज्य कैंसर संस्थान (एससीआई) और 20 विशिष्ट कैंसर परिचर्या केंद्र (टीसीसीसी) स्थापित किए गए हैं, ताकि उन्नत कैंसर परिचर्या प्रदान की जा सके। साथ ही, सभी 22 नए एम्स में निदान, चिकित्सा और शल्य चिकित्सा सुविधाओं के साथ कैंसर उपचार सुविधा केन्द्रों को मंजूरी दी गई है। इसके अलावा, हरियाणा के झज्जर में 1,460 रोगी परिचर्या बिस्तर क्षमता वाला राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (एनसीआई) और कोलकाता में 460 बिस्तर क्षमता वाला चित्तरंजन राष्ट्रीय कैंसर संस्थान का दूसरा परिसर उन्नत निदान और उपचार सुविधाएँ प्रदान करता है। केंद्र (टीसीसीसी) स्थापित किए गए हैं, ताकि उन्नत कैंसर परिचर्या प्रदान की जा सके।

इसके अलावा देश भर में 372 जिला डे केयर सेंटर हैं जो कीमोथेरेपी प्रदान करते हैं। राष्ट्रीय प्रशामक परिचर्या कार्यक्रम (एनपीपीसी) के तहत जिला स्तर पर बहिरंग रोगी विभाग (ओपीडी), अंतरंग रोगी विभाग (आईपीडी), रेफरल, घर पर प्रशामक परिचर्या जैसी सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। राज्यवार विवरण **अनुलग्नक** में हैं।

परमाणु ऊर्जा विभाग के अंतर्गत, टाटा मेमोरियल सेंटर की ग्रामीण/अर्ध-शहरी स्थानों में दो इकाइयाँ/अस्पताल - पंजाब के संगरूर में होमी भाभा कैंसर अस्पताल (एचबीसीएच) और बिहार के मुजफ्फरपुर में होमी भाभा कैंसर अस्पताल हैं।

(ख) और (ग): राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या के भाग के रूप में देश में कैंसर सहित गैर-संचारी रोगों की जांच, प्रबंधन और रोकथाम के लिए जनसंख्या-आधारित पहल शुरू की गई है। मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता (आशाकर्मी) और सहायक नर्स और दाई (एएनएम) कार्यकर्ताओं द्वारा सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधा केन्द्रों के माध्यम से रोकथाम और जांच सेवाएँ प्रदान की जाती हैं।

स्क्रीनिंग के बाद जिन रोगियों में कैंसर से संबंधित किसी रोग का संदेह होता है, उनके लिए जिला अस्पतालों और विशिष्ट परिचर्या अस्पतालों से विशेषज्ञ का परामर्श लेने के लिए टेली-परामर्श सुविधा उपलब्ध है। प्रधान मंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाई) के तहत पैनलबद्ध विशिष्ट परिचर्या सुविधा केंद्रों और मेडिकल अस्पतालों में रेफरल के माध्यम से परिचर्या की निरंतरता सुनिश्चित की जाती है। पीएम-जेएवाई में, राष्ट्रीय स्वास्थ्य लाभ पैकेज (एचबीपी) मास्टर में मेडिकल ऑन्कोलॉजी, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी

और प्रशामक मेडिसिन की 500 से अधिक प्रक्रियाओं वाले 200 से अधिक पैकेजों के तहत स्तन, मुंह और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर सहित कैंसर से संबंधित उपचार प्रदान किया जाता है। इनमें से 37 पैकेज विशेष रूप से कैंसर परिचर्या के लिए लक्षित उपचारों से संबंधित हैं, जिनमें सीए ब्रेस्ट के लिए कीमोथेरेपी (सीटी), मेटास्टेटिक मेलेनोमा के लिए सीटी, क्रोनिक माइलॉयड ल्यूकेमिया के लिए सीटी, बर्किट्स लिम्फोमा के लिए सीटी, सीए फेफड़े के लिए सीटी, और अन्य शामिल हैं।

पीएमजेएवाई के तहत 13,000 करोड़ रुपये से अधिक राशि के 68 लाख से अधिक कैंसर उपचार किए गए हैं। केंद्रीय स्तर से उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, इनमें से 75.81% उपचार ग्रामीण क्षेत्रों के लाभार्थियों द्वारा प्राप्त किए गए।

कैंसर परिचर्या के लिए लक्षित उपचारों के संबंध में, कैंसर परिचर्या के लक्षित उपचारों के लिए 985 करोड़ रुपए से अधिक राशि के 4.5 लाख से अधिक उपचार किए गए हैं। इनमें से 76.32% का लाभ पीएम-जेएवाई के तहत ग्रामीण लाभार्थियों द्वारा उठाया गया।

स्वास्थ्य मंत्री कैंसर रोगी निधि (एचएमसीपीएफ) के तहत गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले और कैंसर से पीड़ित गरीब रोगियों के उपचार के लिए 15 लाख रुपए तक की एकमुश्त वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इसके अलावा, जन औषधि स्टोर के माध्यम से ब्रांडेड दवाओं की तुलना में कैंसर की दवाओं सहित गुणवत्तापरक जेनेरिक दवाएं 50% से 80% किफ़ायती दरों पर उपलब्ध कराई जाती हैं और 217 अमृत फार्मेसियों के माध्यम से 289 ऑन्कोलॉजी दवाओं पर बाजार दरों से 50% तक की उल्लेखनीय छूट दी जाती हैं।

वर्ष 2025-26 में जिला अस्पतालों में 200 डे केयर कैंसर सेंटर (डीसीसीसी) खोलने और आगामी 3 वर्षों में डीसीसीसी के साथ शेष जिला अस्पतालों को परिपूर्ण करने हेतु बजट घोषणा इस वर्ष की गई है।

****

अनुलग्नक

क्र. सं.	राज्य का नाम	टीसीसीसी और एससीआई	डे केयर सेंटरों की संख्या	प्रशामक परिचर्या सेवाएं प्रदान करने वाले जिला अस्पतालों की संख्या
1	अंडमान और निकोबार	-	-	-
2	आंध्र प्रदेश	1	9	9
3	अरुणाचल प्रदेश	-	-	15
4	असम	1	7	5
5	बिहार	1	-	6
6	चंडीगढ़	-	-	1
7	छत्तीसगढ़	1	23	16
8	दमन एवं दीव एवं दादरा और नगर हवेली	-	3	3
9	दिल्ली	1	5	1
10	गोवा	1	2	2
11	गुजरात	1	35	33
12	हरियाणा	1	5	22
13	हिमाचल प्रदेश	2	11	12
14	जम्मू और कश्मीर	2	20	11
15	झारखंड	1	-	18
16	कर्नाटक	2	-	31
17	केरल	2	25	14
18	लद्दाख	-	2	2
19	लक्षद्वीप	-	-	1
20	मध्य प्रदेश	2	52	51
21	महाराष्ट्र	3	12	34
22	मणिपुर	-	9	16
23	मेघालय	-	2	11
24	मिजोरम	1	2	9
25	नागालैंड	1	-	4
26	ओडिशा	1	30	30
27	पुदुचेरी	-	-	1
28	पंजाब	2	1	8
29	राजस्थान	3	33	33
30	सिक्किम	1	1	4
31	तमिलनाडु	1	38	38
32	तेलंगाना	1	5	32
33	त्रिपुरा	1	-	8
34	उत्तर प्रदेश	1	4	13
35	उत्तराखंड	1	10	13
36	पश्चिम बंगाल	3	26	27
	भारत	**39**	**372**	**534**

******

MR. CHAIRMAN: The questioner not present. Supplementaries, Dr. Laxmikant Bajpayee.

डा. लक्ष्मीकान्त बाजपेयीः माननीय सभापति महोदय, मंत्री जी ने कैंसर जैसी भयावह बीमारी के संदर्भ में विस्तृत उत्तर ग्रामीण क्षेत्र के संबंध में दिया है, लेकिन गर्भाशय कैंसर एक विकराल समस्या है, जिस पर समय-समय पर चिंता भी व्यक्त की गई है। क्या सरकार अपनी इस व्यवस्था के अंतर्गत गर्भाशय कैंसर वैक्सीन को कोरोना वैक्सीन की तरह से आम जनता को लगाने के बारे में कोई विचार करेगी? दूसरा, यह कि मेरठ मेडिकल कॉलेज में कैंसर ईकाई की स्थापना के संबंध में भी मेरा निवेदन है, क्या सरकार इस पर विचार करेगी?

MR. CHAIRMAN: Hon. Minister.

श्री प्रतापराव जाधवः माननीय सभापति महोदय, माननीय सदस्य ने सर्वाइकल कैंसर के संबंध में जो प्रश्न पूछा है, तो निश्चित रूप से इसकी वैक्सीन बाज़ार में उपलब्ध है और हमारी सरकार ने माननीय प्रधान मंत्री, नरेन्द्र मोदी जी और हमारे स्वास्थ्य मंत्री, आदरणीय जे.पी. नड्डा जी के मार्गदर्शन में निश्चित रूप से कैंसर की रोकथाम के लिए बहुत सारे उपाय किए हैं और बहुत सारी योजनाएं भी लागू की हैं। माननीय सदस्य ने प्रश्न पूछा कि कैंसर का जो प्रादुर्भाव है, उसके रोकथाम के लिए हमारे सब-सेंटर, पीएचसी, सीएचसी आदि सभी जगह पर स्क्रीनिंग करके कैंसर के रोगियों को पहली ही स्टेज में निश्चित रूप से ढूंढा जाता है या उपचार शुरू होता है, तो उनके दुरुस्त होने की ज़्यादा संभावना होती है, लेकिन जब थर्ड स्टेज के कैंसर के रोगी उपचार कराने आते हैं, तब उनका उपचार करने में और उनको बचाने में बहुत दिक्कत होती है। महोदय, कैंसर के बारे में जागरूकता दिवस भी मनाया जाता है और हमारे मंत्रालय के द्वारा जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से लोगों में अवेयरनेस पैदा करने की कोशिश भी की जाती है और कैंसर जैसी बीमारी के रोकथाम और उसको कम करने के लिए हमारे विभाग के माध्यम से अन्य बहुत सारे उपाय किये जा रहे हैं।

SHRI PRAFUL PATEL: Mr. Chairman, Sir, cancer is a very dreaded disease. Of course, it requires specialized treatment and long gestation treatment. Many people go to Mumbai, Delhi and bigger centres like AIIMS and other places where Government has now done a great job of increasing the reach of all the specialized medical facilities. However, there needs to be some sub-centres. I will just give one example. In Maharashtra, we have many private hospitals having extended facilities for targeted immune therapy and all in many districts. Similarly, through the private as well as some of the Government institutions, the Government can reach out to virtually every district. There are about 600 districts in the country. All need not be covered; maybe, 300 or so districts which are very backward. These kinds of centres can come up there. Once the main treatment is done in the bigger centres, the sub-centres can do the rest of the treatment so that time is saved for the person

by not having to go again to the bigger centres. Cost is involved. Staying facilities are a big problem. So, may I request the Minister to have a view and let us know what he thinks?

श्री प्रतापराव जाधवः सभापति महोदय, सम्माननीय सदस्य प्रफुल्ल पटेल जी ने जो प्रश्न पूछा है, मैं आपके माध्यम से बताना चाहता हूं कि निश्चित रूप से हमारे स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से NP-NCD के तहत 770 जिलों में NCD clinics हैं, 223 हृदय परिचर्या इकाईयां हैं और 372 जिला डे केयर सेंटर्स भी चलाए जाते हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर 6,410 NCD clinics भी स्थापित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त 19 राज्यों में कैंसर संस्थान और 20 विशिष्ट कैंसर परिचर्या केन्द्रों का भी कार्य चल रहा है। सर, सदस्य ने जो चिंता व्यक्त की है, निश्चित रूप से मैंने पहले ही जवाब में बताया था कि सब-सेंटर्स में कैंसर की स्क्रीनिंग शुरू की गई है। हमारी आशा वर्कर्स हैं, गांव में काम करने वाली हैं, वे घर-घर जाकर लोगों से फॉर्म को भरवाकर लाती हैं और उसमें यदि शंका होती है कि कैंसर के लिए इनकी जांच होनी चाहिए, स्क्रीनिंग होनी चाहिए, तो उप-केन्द्र में भी उनकी स्क्रीनिंग होती है। अगर उनको रेफर करना होता है, तो डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल में उनको रेफर किया जा सकता है।

MR. CHAIRMAN: Sub-centre is a very important suggestion. Hon. Minister.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री जगत प्रकाश नड्डा): सभापति महोदय, जहां तक कैंसर का सवाल है और यह प्रश्न है, तो इस प्रश्न से एक ध्वनि आती है कि रूरल एरिया के लोगों को कैंसर से बचाने के लिए और उसकी स्क्रीनिंग के लिए क्या व्यवस्था है? सर, मैं सबसे पहले हाउस को यह अवगत कराना चाहता हूं कि बहुत ही exhaustive screening की व्यवस्था भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय ने की है। हमारे 1 लाख, 75 हजार आयुष्मान आरोग्य मंदिर हैं। आयुष्मान आरोग्य मंदिर के तहत हम स्क्रीनिंग कर रहे हैं और ओरल कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर और सर्विक्स कैंसर, इन तीनों की स्क्रीनिंग की जा रही है। अगर हम स्क्रीनिंग की दृष्टि से देखें, तो लगभग 29.32 करोड़ ओरल कैंसर की स्क्रीनिंग हुई है, उसमें 1 लाख, 63 हजार डिटेक्ट हुए हैं। उसी तरीके से 15 करोड़, 60 लाख ब्रेस्ट कैंसर की स्क्रीनिंग हुई है और 57 हजार डायग्नोज़ हुए हैं। उसी तरीके 9 करोड़, 48 हजार सर्विक्स कैंसर की स्क्रीनिंग हुई है और 97 हजार डायग्नोज़ हुए हैं। यानी you can understand the number. मैं ये नंबर इसलिए बता रहा हूं कि crores में स्क्रीनिंग की गई है और thousands, lakhs, screened लोग निकले हैं, उनका हम इलाज कर रहे हैं। जहां तक आपने कहा कि लोगों को फैसेलिटी मिलनी चाहिए, ताकि उनको कोई नेशनल लेवल के या स्टेट लेवल के हॉस्पिटल्स में न आना पड़े। इसके लिए प्रधान मंत्री मोदी जी ने बहुत ही अच्छी योजना को आगे बढ़ाया है और अभी हमारे 372 डिस्ट्रिक्ट डे केयर सेंटर्स हैं, जो chemotherapy across the country दे रहे हैं। इस बार हमारी माननीय वित्त मंत्री जी निर्मला सीतारमण जी ने बजट में घोषणा की है कि हम आने वाले समय में, every district would have a day care cancer centre. This year, we have decided to open 200 and, within next

three years, all districts would have cancer day care centres. *...(Interruptions)...* Chemotherapy and radiotherapy also.

MR. CHAIRMAN: Shrimati Mausam B Noor.

SHRIMATI MAUSAM B NOOR: Sir, it is great to have you back. The hon. Minister has already given an elaborate answer but my question, if he can kindly reply, is this. Is the Ministry considering expanding tele-medicine services and mobile cancer screening units to improve early detection and treatment accessibility in rural areas? If yes, please provide the details.

MR. CHAIRMAN: Hon. Minister.

SHRI JAGAT PRAKASH NADDA: This is a very good question. जैसा मैंने कहा कि हम स्क्रीनिंग पर बहुत ध्यान दे रहे हैं। इसलिए हम tele-medicine को भी बहुत तवज्जो दे रहे हैं। We have developed hub-and-spoke model. And, under hub-and-spoke model, we are giving training to the Community Health Officers who can detect what looks like cancer. And, patients through telemedicine are connected to the district hospitals, to the State hospitals and also to the national institutes, so that we decide whether this patient has to be brought and at what level to save time. And, I would also like to share with the House the Lancet Study. Lancet की एक स्टडी आई है, जिसमें they have said that the timely cancer treatment initiation has improved in India and 90 per cent rise in the access of timely treatment. This has been said by Lancet about the cancer treatment. So, all this has been possible because the screening is exhaustive and the moment a person is confirmed that he has got cancer, where he has to be treated is also advised at that very point of time.

MR. CHAIRMAN: Many hon. Members, quite a large number, wanted to ask supplementaries. Since there will be a discussion on the Health Ministry, those hon. Members who will not get an opportunity otherwise to ask supplementaries, I will accommodate all of them during the discussion. Now, Q. No. 182. Shrimati Sunetra Ajit Pawar; she had sought my leave. She was part of a delegation to Mexico representing the Parliament. Now, supplementaries.